अध्याय-1

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के वित्त

अध्याय - 1

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के वित्त

यह अध्याय 2015-2016 के दौरान राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (रा.रा.क्षे.) दिल्ली सरकार के वित्तों का व्यापक परिदृश्य प्रस्तुत करता है और पिछले पांच वर्षो के दौरान संपूर्ण प्रवृत्तियों को ध्यान में रखते हुए पूर्व वर्ष की तुलना में प्रमुख राजकोषीय संचयनों में होने वाले परिवर्तनों का विश्लेषण करता है। संघ सरकार तथा अन्य राज्य सरकारों के लेखे तीन भागों में रखे जाते हैः जैसे (i) समेकित निधि (ii) आकस्मिक निधि तथा (iii) लोक लेखे। जबकि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के लेखे दो भागों में रखे जाते हैं जैसे(क) समेकित निधि तथा (ख) आकस्मिक निधि। दिल्ली में लोक लेखे नहीं है। ऋण से संबंधित लेन-देनों (उन के अलावा जो लघु बचत योजनाओं से संबंधित हैं), जमाओं, अग्रिमों, प्रेषणों तथा उचंत का संघ सरकार के लोक लेखे में विलय किया जाता है। राज्य की राजकोषीय देयताओं में लघु बचत संग्रह शामिल है। रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार के शेष को संघ सरकार के रोकड़ में विलय किया गया है जो कि सामान्य रोकड़ के शेष का भाग बनता है और इसे सरकार के पास जमा के रूप में माना जाता है। दिल्ली केंद्रीय वित्त आयोग की सिफारिशों के अंतर्निहित नहीं हैं तथा इसे संघीय करों व शुल्कों के राजकीय अंश के बदले केवल विवेकाधीन अनुदान प्राप्त है।

रा.रा.क्षे. दिल्ली की रुपरेखा

दिल्ली, देश की राजधानी, 1,483 वर्ग किमी क्षेत्र में फैली हुई है। यह 11,320 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी. की औसत जनसंख्या घनत्व सहित घनी आबादी वाला क्षेत्र है। रा.रा.क्षे. का सकल राज्य घरेलू उत्पाद (स.रा.घ.उ.) 2015-16 में ₹ 5,58,745.26 करोड़ था। इसका स.रा. घ.उ. पिछले दशक में सामान्य श्रेणी के राज्यों के औसत स.रा.घ.उ. वृद्धि (15.75 *प्रतिशत*) की तुलना में उच्च दर पर (17.04 *प्रतिशत*) बढ़ा है (**परिशिष्ट 1.1**)। भारत के स.घ.उ. तथा रा.रा.क्षे. दिल्ली के स.रा.घ.उ. की चालू मूल्यों पर वार्षिक वृद्धि की प्रवृत्ति नीचे **तालिका 1.1** में प्रदर्शित है।

तालिका 1.1: स.घ.उ./स.रा.घ.उ. की वार्षिक वृद्धि

वर्ष	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16
भारत के सकल घरेलू उत्पाद (₹ करोड़ में)	87,36,039	99,51,344	1,12,72,764	1,24,88,205	1,35,76,086
स.घ.उ. की वृद्धि दर (प्रतिशतता)	20.52	13.91	13.28	10.78	8.71
सकल राज्य घरेलू उत्पाद (₹ करोड़ में)	3,43,260.41	3,91,071.36	4,46,806.82	4,94,460.34	5,58,745.26
स.रा.घ.उ. की वृद्धि दर (प्रतिशतता)	35.81	13.93	14.25	10.67	13.00

स्रोतः आर्थिक तथा सांख्यिकी विश्लेषण निदेशालय रा.रा.क्षे.दि.स. तथा केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय

1.1 प्रस्तावना

रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार के वित्त लेखे 16 विवरणियों में निर्धारित हैं जिनमें रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार की समेकित निधि व आकस्मिक निधि में प्राप्तियां तथा व्यय राजस्व के साथ-साथ पूंजीगत प्रस्तुत की गई हैं **(परिशिष्ट 1.2)**।

1.2 चालू वर्ष के राजकोषीय लेन-देन का सारांश

तालिका 1.2 पिछले वर्ष की तुलना में चालू वर्ष (2015-16) के दौरान रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार के राजकोषीय लेन-देन का सार प्रस्तुत करता हैं। **परिशिष्ट 1.3** प्राप्तियों तथा संवितरणों का विवरण तथा चालू वर्ष के दौरान सम्पूर्ण राजकोषीय स्थिति का विवरण देता है।

तालिका 1.2: चालू वर्ष के राजकोषीय प्रचालनों का सार

(₹ करोड़ में)

प्राप्तियां			संवितरण				
	2014-15	**2015-16**		**2014-15**	**2015-16**		
खण्ड-अ राजस्व	**कुल**	**कुल**	**खण्ड-अ राजस्व**	**कुल**	**गैर योजनागत**	**योजनागत**	**कुल**
राजस्व प्राप्तियां	**29,584.59**	**34,998.85**	**राजस्व व्यय**	**23,509.49**	**17,963.23**	**8,379.32**	**26,342.55**
कर राजस्व	26,603.90	30,225.16	सामान्य सेवाएं	5,983.40	5,974.05	453.07	6,427.12
गैर-कर राजस्व	632.54	515.40	सामाजिक सेवाएं	13,306.11	7,374.67	7,443.16	14,817.83
			आर्थिक सेवाएं	3,318.99	3,655.62	483.09	4,138.71
भारत सरकार से अनुदान	2,348.14	4,258.29	सहायता अनुदान तथा अंशदान	900.99	958.89	-	958.89
खण्ड-ब पूंजीगत			**खण्ड-ब पूंजीगत**				
विविध पूंजीगत प्राप्तियां	-	-	**पूंजीगत व्यय**	4,403.94	11.04	4,712.43	4,723.47
ऋण व अग्रिमों की वसूलियां	227.61	83.41	संवितरित ऋण व अग्रिम	1,679.94	-	-	2,684.32
सार्वजनिक ऋण प्राप्तियां'	1,764.32	2,241.13	सार्वजनिक ऋण का पुनर्भुगतान*	1,346.73	-	-	1,435.18
आकस्मिक निधि	0.00	10.00	आकस्मिक निधि से विनियोजन	0.00	-	-	10.00
आरंभिक नकद शेष $	880.65	1,517.07	**अंतिम नकद शेष $**	1,517.07	-	-	3,654.94
कुल	**32,457.17**	**38,850.46**		**32,457.17**			**38,850.46**

* भारत सरकार से ऋण व अग्रिम सम्मिलित हैं जो प्रमुखतः छोटी बचतों में अंश के रुप में है।

$ नकद शेष को भारत सरकार के सामान्य नकद शेष में जोड़ा जाता है।

(स्रोतः वर्ष 2015-16 की दिल्ली के वित्त लेखे तथा प्र. लेखा कार्यालय, दिल्ली से प्राप्त सूचना के अनुसार)

पिछले वर्ष की तुलना में 2015-16 के दौरान हुए महत्वपूर्ण परिवर्तन निम्नलिखित हैं:

- राजस्व प्राप्तियों में ₹ 5,414.26 करोड़ (18.30 *प्रतिशत*) की वृद्धि हुई थी। कर राजस्व में ₹ 3,621.26 करोड़ (13.61 *प्रतिशत*) तथा भारत सरकार से प्राप्त अनुदानों में ₹ 1,910.15 करोड़ (81.35 *प्रतिशत*) की वृद्धि हुई जबकि गैर-कर राजस्व में ₹ 117.14 करोड़ (18.52 *प्रतिशत*) की कमी हुई।
- राजस्व व्यय में ₹ 2,833.06 करोड़ (12.05 *प्रतिशत*) की वृद्धि हुई तथा पूंजीगत व्यय में ₹ 319.53 करोड़ (7.26 *प्रतिशत*) की वृद्धि हुई।
- ऋण व अग्रिमों की वसूलियां ₹ 144.20 करोड़ (63.35 *प्रतिशत*) से घटी जबकि ऋणों का संवितरण ₹ 1,004.38 करोड़ (59.79 *प्रतिशत*) बढ़ा।
- सार्वजनिक ऋण प्राप्तियां ₹ 476.81 करोड़ (27.03 *प्रतिशत*) से बढ़ी तथा पुनर्भुगतान में ₹ 88.45 करोड़ (6.57 *प्रतिशत*) की वृद्धि हुई।
- 2015-16 की समाप्ति पर नकद शेष पिछले वर्ष से ₹ 2,137.87 करोड़ (140.92 *प्रतिशत*) से बढ़ा।

1.3 बजट अनुमान व वास्तविकता

राजस्व प्राप्तियों व व्यय के अंतर्गत बजटीय व वास्तविक आंकड़े **चार्ट 1.1** में दर्शाए गए हैं।

चार्ट 1.1: चयनित राजकोषीय पैरामीटर: बजट अनुमानों की तुलना में वास्तविकताएं

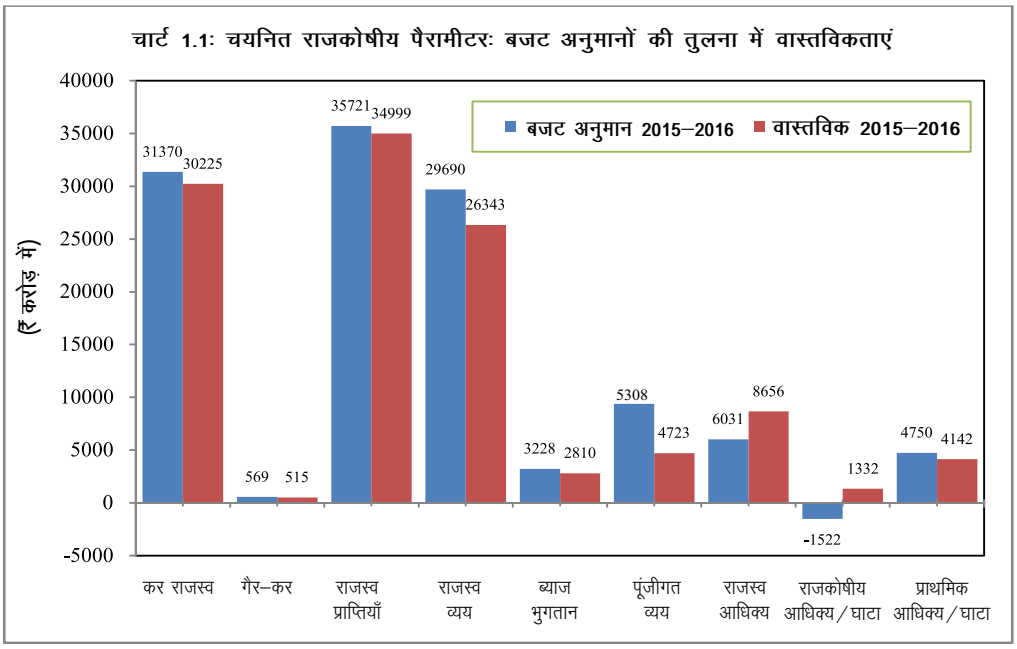

जैसा कि **चार्ट 1.1** से देखा जा सकता है, विभिन्न प्रमुख पैरामीटरों के मामले में अनुमान व वास्तविकता में उल्लेखनीय भिन्नता है। वर्ष के दौरान राजस्व प्राप्तियां व राजस्व व्यय दोनों लक्ष्यों से कम थे। राजकोषीय आधिक्य ₹ 1,332 करोड़ अनुमानित राजकोषीय घाटे

की तुलना में ₹ 1,522 करोड़ था तथा प्राथमिक आधिक्य अनुमानित ₹ 4,750 करोड़ की तुलना में ₹ 4,142 करोड़ था।

1.4 सरकार के संसाधन

1.4.1 वार्षिक वित्त लेखों के अनुसार रा.रा.क्षे. के संसाधन

राजस्व व पूंजी प्राप्तियों के दो प्रकार हैं जिनसे राज्य सरकार के संसाधन बनते हैं। राजस्व प्राप्तियों में कर राजस्व, गैर-कर राजस्व तथा भारत सरकार (भा.स.) से प्राप्त सहायता अनुदान आते हैं। पूंजीगत प्राप्तियों में विविध पूंजीगत प्राप्तियां जैसे ऋणों व अग्रिमों की वसूलियों से प्राप्तियां, ऋण प्राप्तियां तथा भा.स. से ऋण व अग्रिम साथ ही लोक लेखों की जमाएं आती हैं। **तालिका 1.2** चालू वर्ष के दौरान राज्य की प्राप्तियां एवं संवितरण जैसा कि दिल्ली के वार्षिक वित्त लेखों में दर्ज है, प्रस्तुत करती है, जबकि **चार्ट 1.2** 2011-16 के दौरान राज्य की प्राप्तियों की प्रवृतियां दर्शाता है।

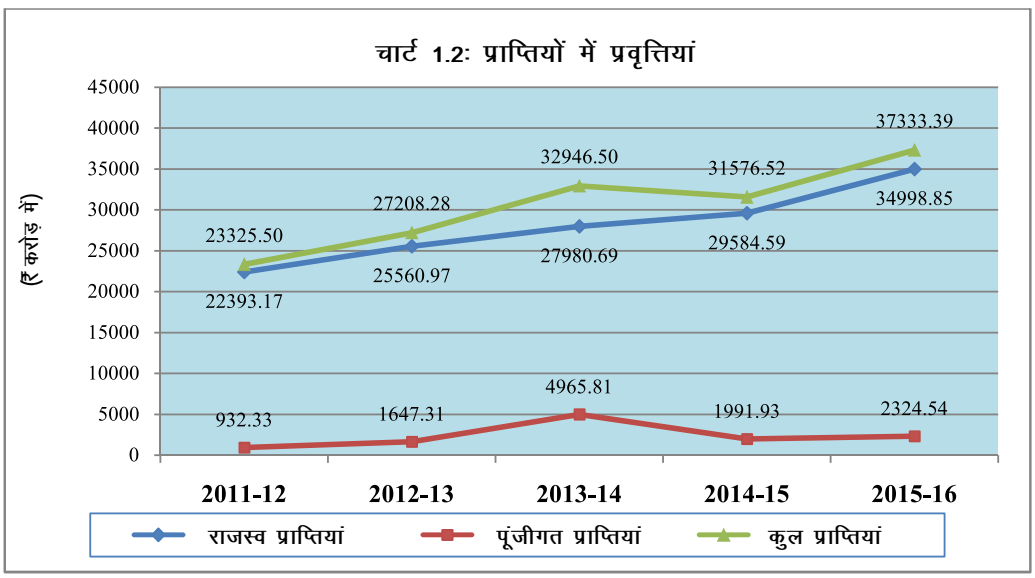

रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार की कुल प्राप्तियों में राजस्व प्राप्तियां 2011-12 के 96.00 *प्रतिशत* की तुलना में 2015-16 में 93.75 *प्रतिशत* थी।

1.5 राजस्व प्राप्तियां

राजस्व प्राप्तियों में राज्य के कर व गैर-कर राजस्व व भा.स. से सहायता अनुदान शामिल हैं। 2011-12 से 2015-16 की अवधि के दौरान रा.रा.क्षे. की राजस्व प्राप्तियों की प्रवृतियां व संरचना **परिशिष्ट 1.3** में प्रस्तुत की गई है तथा क्रमशः **चार्ट 1.3 व 1.4** में भी दर्शाई गई है।

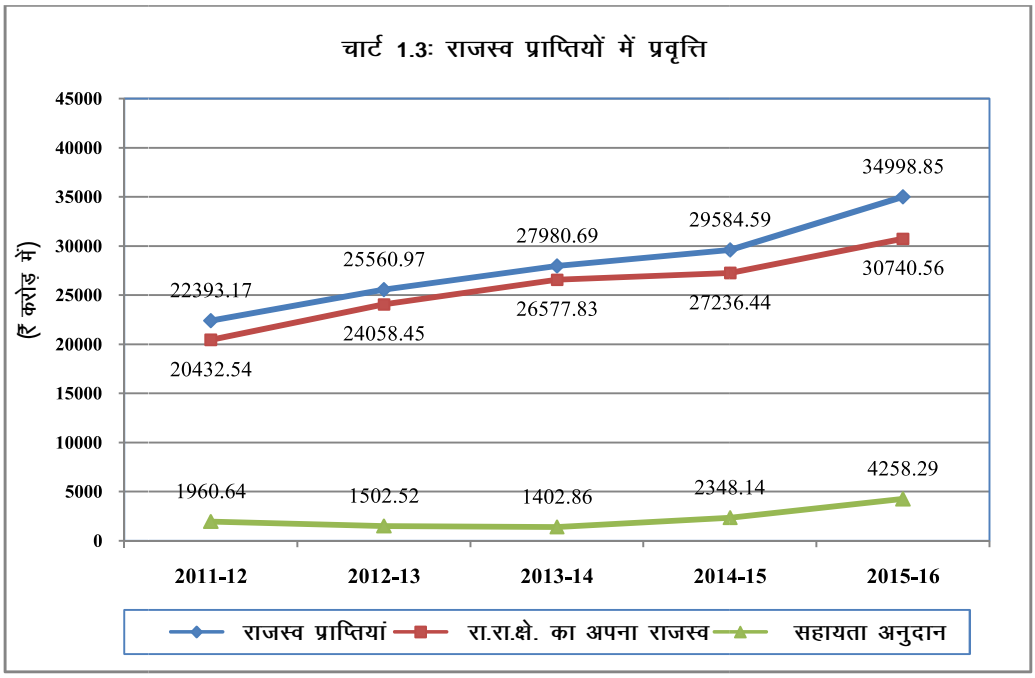

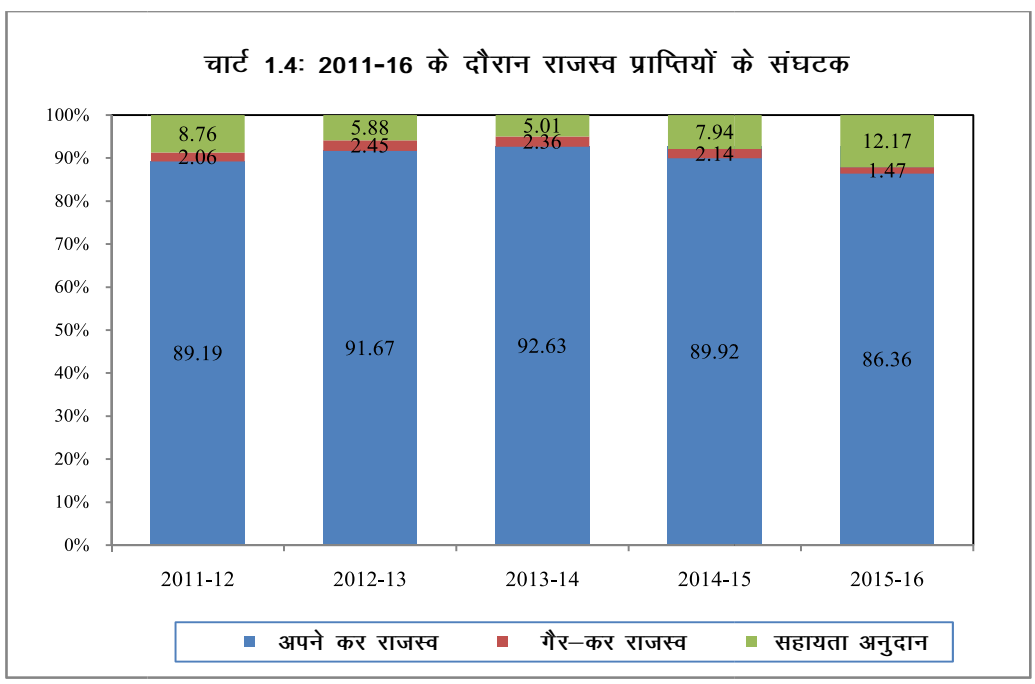

कुल राजस्व प्राप्तियों से रा.रा.क्षे. के अपने कर राजस्व का अंश 2011-12 में 89.19 *प्रतिशत* से 2013-14 में 92.63 *प्रतिशत* तक बढ़ गया तथा इसके पश्चात 2015-16 में 86.36 *प्रतिशत* तक धीरे-धीरे घट गया। कुल राजस्व प्राप्तियों में गैर-कर राजस्व का अंश 2011-12 में 2.06 *प्रतिशत* से घटकर 2015-16 में 1.47 *प्रतिशत* हो गया। सहायता अनुदान का अंश 2011-12 के 8.76 *प्रतिशत* से घटकर 2013-14 में 5.01 *प्रतिशत* हो गया फिर 2015-16 में 12.17 *प्रतिशत* तक बढ़ गया। स.रा.घ.उ. के संबंध में राजस्व प्राप्तियों में प्रवृत्तियां नीचे **तालिका 1.3** में दर्शाई गई है:

तालिका 1.3: स.रा.घ.उ. के संबंध में राजस्व प्राप्तियों में प्रवृत्तियां

	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16
राजस्व प्राप्तियां (रा.प्रा.) (₹करोड़ में)	22,393.17	25,560.97	27,980.69	29,584.59	34,998.85
रा.प्रा. की वृद्धि की दर (*प्रतिशत*)	(-)10.51	14.15	9.47	5.73	18.30
रा.प्रा. / स.रा.घ.उ. (*प्रतिशत*)	6.52	6.54	6.26	5.98	6.26
उत्प्लावकता अनुपात					
स.रा.घ.उ. के संदर्भ में राजस्व उत्प्लावकता	-0.29	1.02	0.66	0.54	1.41
स.रा.घ.उ. के संदर्भ में राज्य की अपनी कर उत्पलावकता	0.59	1.24	0.74	0.25	1.05

(स्रोतः संबंधित वर्षों के लिए दिल्ली सरकार के वित्त लेखे)

राजस्व प्राप्तियों में 2011-16 की अवधि में वृद्धि की मिश्रित प्रवृत्ति दर्ज की गई। 2015-16 में पिछले वर्ष से राजस्व प्राप्तियों में वृद्धि 18.30 *प्रतिशत* थी जबकि स.रा.घ.उ. में वृद्धि 13 *प्रतिशत* थी **(परिशिष्ट 1.4)**। चालू वर्ष में स.रा.घ.उ. के संदर्भ में रा.रा.क्षे. की कर उत्प्लावकता पिछले वित्तीय वर्ष 0.25 *प्रतिशत* से बढ़कर 1.05 *प्रतिशत* हो गई।

2011-12 के दौरान स.रा.घ.उ. के संदर्भ में रा.रा.क्षे. की कर राजस्व उत्प्लावकता 0.59 *प्रतिशत* थी जो कि 2012-13 में बढ़ कर 1.24 *प्रतिशत* हो गई तथा 2014-15 के दौरान यह घटकर 0.25 *प्रतिशत* हो गई। यद्यपि, स्थिति 2015-16 में परिवर्तित हो गई तथा कर राजस्व उत्प्लावकता 1.05 *प्रतिशत* तक बढ़ गई।

1.5.1 रा.रा.क्षे. के अपने संसाधन

रा.रा.क्षे. दिल्ली की राजस्व प्राप्तियों में 2011-16 की अवधि के दौरान वृद्धि की प्रवृत्ति दिखाई दी। यह वर्ष 2015-16 में पिछले वर्ष से 18.30 *प्रतिशत* तक बढ़ गयी।

कर राजस्व

पिछले वर्ष की तुलना में चालू वर्ष के दौरान कर राजस्व के घटक **चार्ट 1.5** में दिए गए हैं:

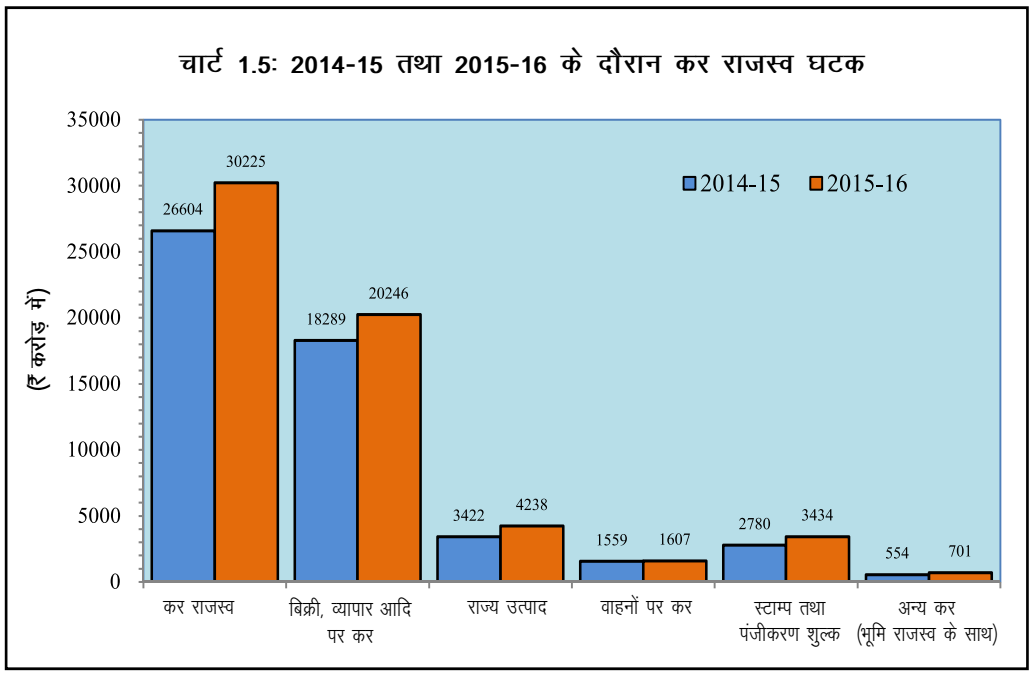

स्रोत: 2014-15 एवं 2015-16 के वित्त लेखे

कर राजस्व चालू वर्ष के दौरान (₹ 30,225.16 करोड़) पिछले वर्ष (₹ 26,603.90 करोड़) की तुलना में ₹ 3,621.26 करोड़ (13.61 *प्रतिशत*) से बढ़ा। राजस्व में प्रमुख योगदान बिक्री, व्यापार इत्यादि पर करों से था जिसका कुल कर राजस्व में 66.98 *प्रतिशत* का योगदान था तथा पिछले वर्ष से यह 10.70 *प्रतिशत* बढ़ा।

राज्य उत्पाद शुल्क के अंतर्गत वसूली पिछले वर्ष से 2015-16 के दौरान ₹ 815.30 करोड़ (28.82 *प्रतिशत*) बढ़ा जबकि स्टॉम्प ड्यूटी ₹ 653.72 करोड़ (23.52 *प्रतिशत*) बढ़ी। इसी प्रकार, वाहनों पर कर व अन्य करों (भूमि राजस्व सहित) का अंशदान क्रमशः ₹ 48.18 करोड़ (3.09 *प्रतिशत*) व ₹ 147.55 करोड़ (26.66 *प्रतिशत*) बढ़ा।

गैर-कर राजस्व

गैर-कर राजस्व जो 2015-16 के दौरान कुल राजस्व प्राप्तियों का 1.47 *प्रतिशत* था, पिछले वर्ष से ₹ 117.14 करोड़ (18.52 *प्रतिशत*) कम हो गया।

1.5.2 वसूली की लागत

वर्ष 2013-14 से 2015-16 के दौरान मुख्य राजस्व प्राप्ति की सकल वसूली, वसूली पर किया गया व्यय तथा सकल वसूली से ऐसे व्यय की प्रतिशतता को नीचे **तालिका 1.4** में दिया गया है।

तालिका 1.4: वसूली की लागत

(₹ करोड़ में)

राजस्व शीर्ष	वर्ष	संग्रहण	राजस्व संग्रहण पर व्यय	संग्रहण पर व्यय की प्रतिशतता
बिक्री, व्यापार आदि पर कर	2013-14	17925.71	72.56	0.40
	2014-15	18289.31	49.26	0.27
	2015-16	20245.82	56.16	0.28
राज्य उत्पाद शुल्क	2013-14	3151.63	13.01	0.41
	2014-15	3422.39	5.29	0.15
	2015-16	4237.69	6.02	0.14
वाहनों पर कर	2013-14	1409.28	33.63	2.38
	2014-15	1558.83	31.49	2.02
	2015-16	1607.01	38.47	2.39

उपरोक्त तालिका दर्शाती है कि 2015-16 के दौरान बिक्री, व्यापार इत्यादि पर कर तथा वाहनों पर कर वसूली पर व्यय की प्रतिशतता में पिछले वर्ष से आंशिक वृद्धि हुई जबकि राज्य उत्पाद शुल्क वसूली में व्यय में आंशिक रूप से कमी हुई।

1.6 संसाधनों के अनुप्रयोग

1.6.1 व्यय की वृद्धि व संघटक

राज्य अपने कार्यों के निष्पादन को पूरा करने, सामाजिक व आर्थिक सेवाओं की वर्तमान पूर्ति करने, पूंजीगत व्यय व निवेश द्वारा इन सेवाओं के नेटवर्क का विस्तार करने तथा अपनी ऋण सेवा की देयताओं के निर्वहन हेतु संसाधन उत्पन्न करते हैं। रा.रा.क्षे. का कुल व्यय 2011-12 में ₹ 25,314.55 करोड़ से बढ़कर 2015-16 में ₹ 33,750.34 करोड़ हो गया।

चालू वर्ष के दौरान कुल व्यय ₹ 33,750.34 करोड़ पिछले वर्ष से ₹ 4,156.97 करोड़ (14.05 *प्रतिशत*) बढ़ा। कुल वृद्धि में से, राजस्व व्यय ₹ 2,833.06 करोड़, पूंजीगत व्यय ₹ 319.53 करोड़ तथा ऋण एवं भुगतान ₹ 1,004.38 करोड़ था। चालू वर्ष के दौरान व्यय में कुल वृद्धि की तुलना में पूंजीगत व्यय के अंश में आंशिक वृद्धि राज्य द्वारा निधियों के कम उत्पादक विनियोजन का सूचक है। पिछले पांच सालों में राजस्व व्यय 2011-12 में ₹ 17,964.86 करोड़ से बढ़कर 2015-16 में ₹ 26,342.55 करोड़ हो गया जो 46.63 *प्रतिशत* की वृद्धि थी। पूंजीगत व्यय जो 2011-12 में ₹ 4,004.27 करोड़ था इस अवधि में 17.96 *प्रतिशत* की वृद्धि के साथ 2015-16 में बढ़कर ₹ 4,723.47 करोड़ हो गया।

पूंजीगत व्यय व राजस्व व्यय 2011-12 में कुल व्यय (ऋण व अग्रिम को छोड़कर) का क्रमशः 18.23 *प्रतिशत* तथा 81.77 *प्रतिशत* थे जबकि 2015-16 में ये क्रमशः 15.20 *प्रतिशत* व 84.80 *प्रतिशत* थे। योजनागत शीर्ष के अंतर्गत कुल व्यय 2014-15 में ₹ 12,345.42 करोड़ से बढ़कर 2015-16 में ₹ 746.34 करोड़ की वृद्धि दर्ज कर ₹ 13,091.76 करोड़ हो

गया जबकि गैर-योजनागत व्यय ₹ 2,406.26 करोड़ की वृद्धि दर्ज करते हुए 2014-15 में ₹ 15,568.01 करोड़ से 2015-16 में ₹ 17,974.27 करोड़ हो गया। वर्ष 2015-16 के दौरान कुल व्यय में योजनागत एवं गैर-योजनागत व्यय का अंश क्रमशः 42.14 *प्रतिशत* तथा 57.86 *प्रतिशत* था (ऋण तथा अग्रिम को छोड़कर)। **चार्ट 1.6** 2011-16 की अवधि के दौरान कुल व्यय की प्रवृतियां प्रस्तुत करता है।

चार्ट 1.6: कुल व्ययः प्रवृत्तियां तथा संघटक

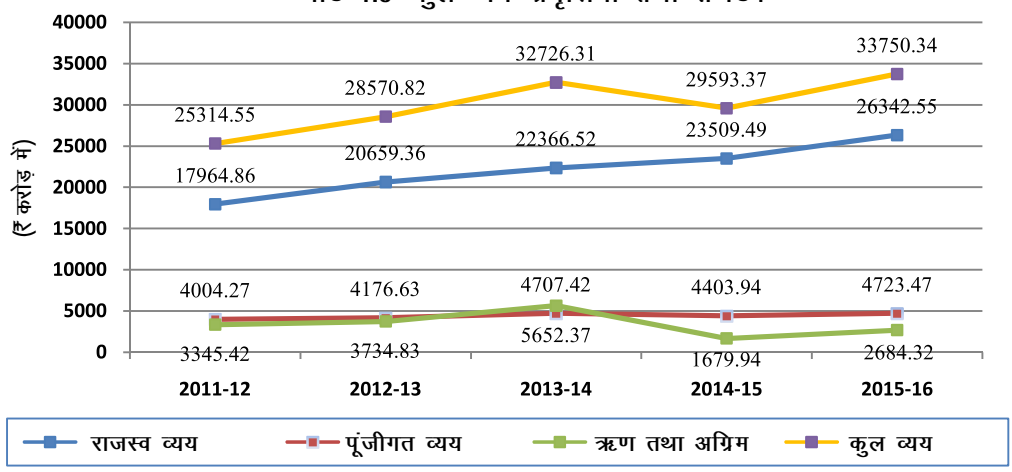

'आर्थिक वर्गीकरण' एवं 'कार्यकलापों से व्यय' दोनों के संयोजन को क्रमशः **चार्ट 1.7 एवं 1.8** में दिखाया गया है।

चार्ट 1.7: कुल व्ययः इसके घटकों के अंश में प्रवृत्तियां

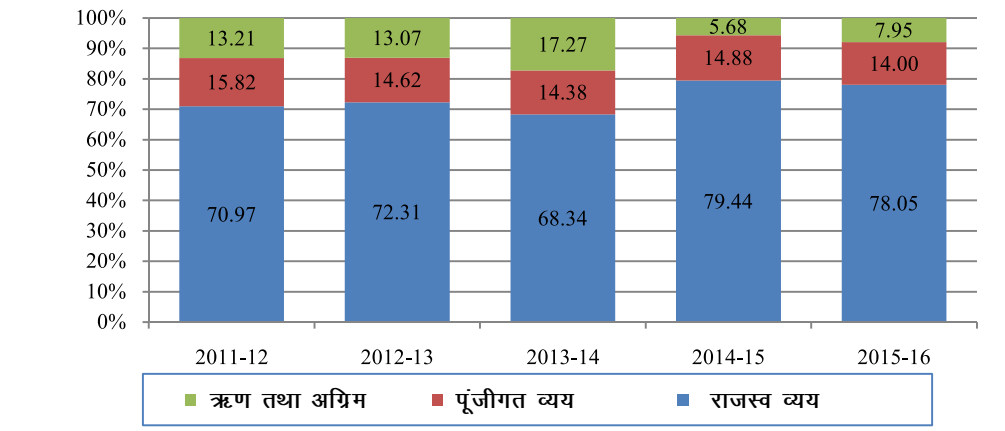

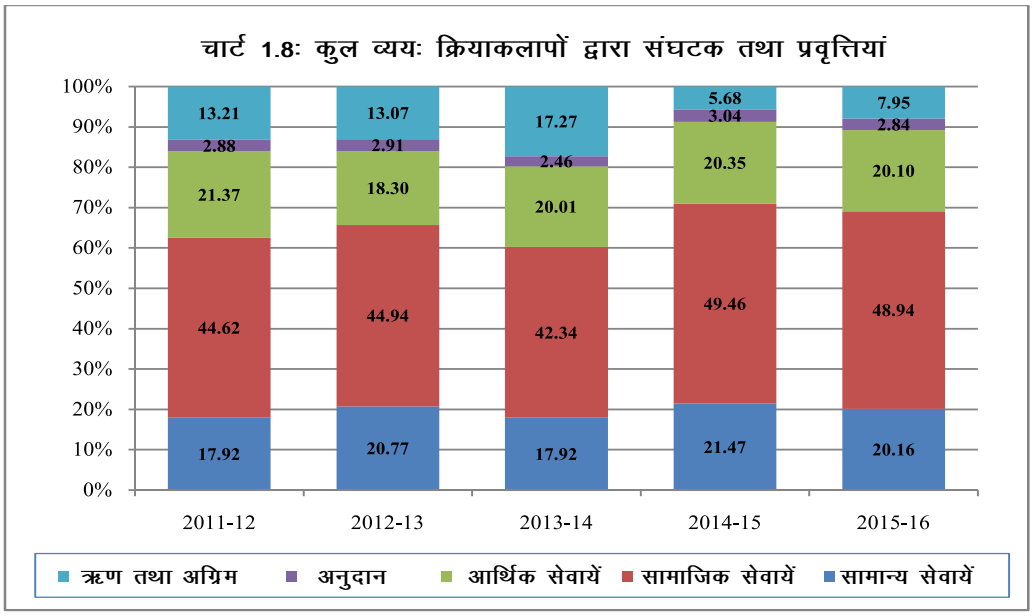

2011-16 के दौरान कुल व्यय में सामान्य सेवाओं का अंश 17.92 *प्रतिशत* से बढ़कर 20.16 *प्रतिशत* हो गया जबकि सामाजिक सेवाओं का अंश 44.62 *प्रतिशत* से बढ़कर 48.94 *प्रतिशत* हो गया जबकि उसी अवधि के दौरान ऋण तथा अग्रिम पर कुल व्यय 13.21 *प्रतिशत* से घटकर 7.95 *प्रतिशत* हो गया।

1.7 व्यय की गुणवत्ता

राज्य में अच्छी सामाजिक एवं भौतिक अवसंरचना की उपलब्धता सामान्यतः इसके व्यय की गुणवत्ता को दर्शाती है। व्यय की गुणवत्ता में सुधार के अंतर्गत मूल रुप से तीन पहलू जैसे व्यय की पर्याप्तता (अर्थात् सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करने हेतु पर्याप्त प्रावधान), व्यय के प्रयोग में दक्षता तथा उपयुक्तता (कुछ चुनिंदा सेवाओं हेतु परिव्यय-परिणाम संबंधों का निर्धारण) सम्मिलित हैं।

1.7.1 सार्वजनिक व्यय की पर्याप्तता

तालिका 1.5 2015-16 के दौरान विकास व्यय, सामाजिक क्षेत्र व्यय व पूंजीगत व्यय के संबंध में राज्य सरकार की राजकोषीय प्राथमिकता को दर्शाता है।

तालिका 1.5: 2012-13 और 2015-16 में राज्य की राजकोषीय प्राथमिकता

(*प्रतिशत* में)

राज्य की राजकोषीय प्राथमिकता	कु.व्य. / स.रा.घ.उ.	वि. व्य / कु.व्य.	सा. से.व्य. / कु.व्य.	पू.व्य. / कु.व्य.	शिक्षा / कु.व्य.	स्वास्थ्य / कु.व्य.
सामान्य श्रेणी राज्य औसत (अनुपात) 2012-13	14.14	70.03	38.47	13.70	17.72	4.72
दिल्ली राज्य का औसत (अनुपात) 2012-13	7.31	72.81	50.23	14.62	19.22	9.57
सामान्य श्रेणी के राज्यों का औसत (अनुपात) 2015-16	16.05	70.63	36.29	14.89	15.63	4.45
दिल्ली राज्य का औसत (अनुपात) 2015-16	6.04	75.24	51.92	14.00	22.98	10.77

कु.व्यः कुल व्यय वि.व्य.: विकास व्यय सा.से.व्यः सामाजिक सेवा व्यय पूं.व्य.: पूंजीगत व्यय
विकास व्यय में विकास राजस्व व्यय, विकास पूंजीगत व्यय तथा संवितरित ऋण व अग्रिम शामिल है।
स.रा.घ.उ.का स्रोत : सूचना जो 29 जुलाई 2016 तक सी.एस.ओ. वेबसाइट पर उपलब्ध है

- स.रा.घ.उ. के अनुपात में रा.रा.क्षे. दिल्ली का कुल व्यय सामान्य श्रेणी राज्यों की तुलना में 2012-13 एवं 2015-16 दोनों वर्षों में निम्न था।
- सरकार ने विकास व्यय को 2012-13 एवं 2015-16 में राजकोषीय प्राथमिकता दी क्योंकि इसका कुल व्यय से अनुपात सामान्य श्रेणी राज्यों के औसत अनुपात से अधिक था।
- सामान्य श्रेणी राज्यों की तुलना में कुल व्यय से पूंजीगत व्यय का अनुपात 2012-13 में अधिक एवं 2015-16 में आंशिक रूप से कम था।
- 2012-13 में कुल व्यय का शिक्षा पर व्यय का अनुपात सामान्य श्रेणी राज्यों से अधिक था तथा पुनः 2015-16 में बढ़ गया था।
- 2012-13 एवं 2015-16 में दिल्ली में स्वास्थ्य को दी गई प्राथमिकता सामान्य श्रेणी राज्यों से बहुत ज्यादा थी।

1.7.2 प्रयुक्त व्यय की दक्षता

सामाजिक व आर्थिक विकास पर सार्वजनिक व्यय के महत्व को ध्यान में रखते हुए यह आवश्यक है कि राज्य सरकारों द्वारा व्यय के पुनर्गठन हेतु समुचित उपाय किए जाएं तथा विशेषतः हाल के वर्षों में ऋण सेवा में कमी के कारण राजकोष में उत्पन्न स्थान को ध्यान में रखकर विकास व्यय हेतु आवंटन में सुधार करने के अतिरिक्त मूल सार्वजनिक तथा योग्यतामूलक वस्तुओं* के प्रावधान पर बल दिया जाना चाहिए। **तालिका 1.6** तथा **चार्ट 1.9** चालू वर्ष तथा विगत वर्षों के दौरान विकास व्यय की प्रवृत्तियों को दर्शाती है।

तालिका 1.6: विकास व्यय

(₹ करोड़ में)

विकास व्यय के घटक	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	
					बजट अनुमान	वास्तविक
क. विकास राजस्व व्यय	12,889.33	14,088.26	15,964.55	16,625.10	20,495.67	18,956.54
ख. विकास पूंजीगत व्यय	3,815.45	3,979.76	4,441.95	4,032.84	4,856.93	4,345.81
ग. विकास ऋण व अग्रिम	3,299.49	2,734.03	5,401.63	1,634.24	2,103.45	2,092.85
कुल	**20,004.27**	**20,802.05**	**25,808.13**	**22,292.18**	**27,456.05**	**25,395.20**

स्रोतः संबंधित वर्षों के वित्त लेखे

* **मूल सार्वजनिक वस्तुएं** वे हैं जो सभी नागरिक साथ-साथ उपयोग करते हैं अर्थात् ऐसी वस्तु के किसी व्यक्ति द्वारा उपभोग से किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उस वस्तु के उपयोग में कमी नहीं आती है यथा कानून व्यवस्था लागू करना, नागरिक अधिकारों की सुरक्षा व संरक्षा, प्रदूषणमुक्त वायु व पर्यावरणीय वस्तुएं व सड़क अवसंरचना, इत्यादि।
योग्यतामूलक वस्तुएं वे वस्तुएं हैं जिन्हें सार्वजनिक क्षेत्र निशुल्क अथवा रियायती दरों पर प्रदान करता है क्योंकि एक व्यक्ति या समाज को वे आवश्यकता की एक संकल्पना के आधार पर मिलने चाहिए न कि सरकार को भुगतान करने की क्षमता या इच्छा के कारण। ऐसी वस्तुओं के उदाहरण हैं पोषाहार हेतु निर्धनों को निःशुल्क व रियायती भोजन, जीवन की गुणवत्ता सुधारने तथा रूग्णता कम करने हेतु स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना, सभी को मौलिक शिक्षा प्रदान करना, पेय जल व स्वच्छता इत्यादि।

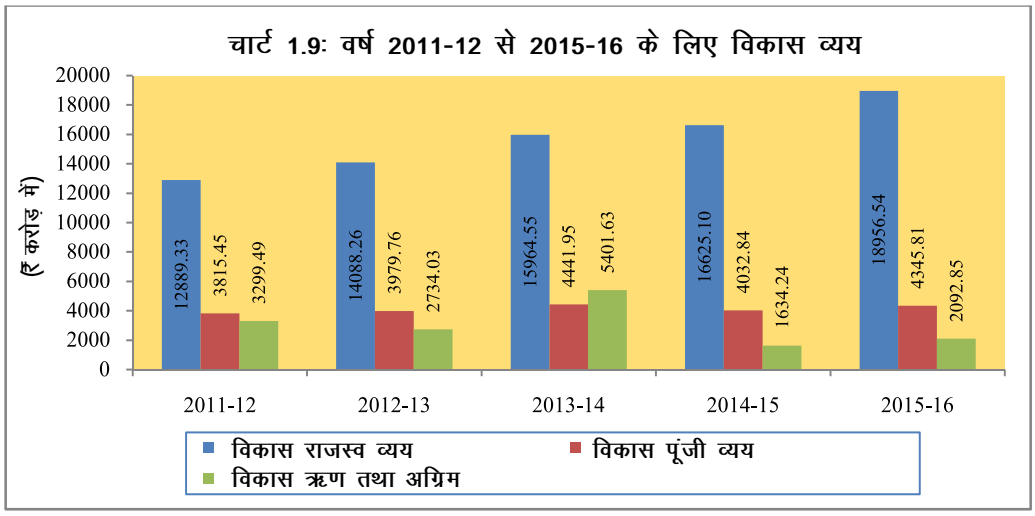

2015-16 के दौरान राजस्व एवं पूंजीगत के अंतर्गत विकास व्यय अनुमानों से क्रमशः ₹ 1,539.13 करोड़ तथा ₹ 511.12 करोड़ कम था। यह दर्शाता है कि बजट अनुमानों को तैयार करते समय विभिन्न योजनागत योजनाओं का क्रियान्वयन करने में क्रियान्वयन एजेंसियों की तैयारी का आकलन नहीं किया गया।

वर्ष 2011-12 से 2015-16 के दौरान विकास राजस्व व्यय तथा विकास पूंजीगत व्यय क्रमशः 47.07 *प्रतिशत* व 13.90 *प्रतिशत* बढ़े। विकास ऋण तथा अग्रिम 2011-12 से 2012-13 के दौरान 17.13 *प्रतिशत* तक घट गए, 2013-14 में 97.24 *प्रतिशत* तक बढ़ गए तथा इसके पश्चात वर्ष 2013-14 से 2015-16 के दौरान 61.25 *प्रतिशत* तक घट गए।

1.8 सरकारी व्यय व निवेशों का वित्तीय विश्लेषण

यह खंड पिछले वर्षों की तुलना में चालू वर्ष में सरकार द्वारा किए गए निवेश तथा अन्य पूंजीगत व्यय का विस्तृत वित्तीय विश्लेषण प्रस्तुत करता है।

1.8.1 निवेश तथा प्रतिफल

31 मार्च 2016 तक, सरकार ने सांविधिक निगमों, ग्रामीण बैंकों, संयुक्त स्टॉक कंपनियों तथा सहकारी समितियों में ₹ 18,492.15 करोड़ का निवेश किया था। इस निवेश पर प्रतिफल 2015-16 में बहुत कम 0.07 *प्रतिशत* था। 2011-16 के दौरान प्रतिफल 0.07 तथा 0.23 *प्रतिशत* के बीच था। सरकार ने 2015-16 के दौरान अपने उधारों पर औसतन 8.54 *प्रतिशत* की दर से ब्याज चुकाया। **तालिका 1.7** में विवरण दिया गया है:

तालिका 1.7: निवेश पर प्रतिफल

(₹ करोड़ में)

निवेश/प्रतिफल/उधारों की लागत	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16
वर्ष के अंत तक निवेश	14,655.90	16,388.15	17,060.35	17,660.35	18,492.15
प्रतिफल	33.00	26.25	11.95	12.90	12.32
प्रतिफल (%)	0.23	0.16	0.07	0.07	0.07
सरकारी उधारों पर ब्याज की औसत दर (%)	9.77	9.73	9.21	8.59	8.54
ब्याज दर तथा प्रतिफल के बीच अन्तर (%)	9.54	9.57	9.14	8.52	8.47

2015-16 में पिछले राजकोषीय वर्ष में निवेश में वृद्धि दिल्ली मेट्रो रेल कार्पोरेशन लिमिटेड में ₹ 827 करोड़ तथा दिल्ली राज्य अनुसूचित जाति वित्तीय विकास निगम दिल्ली में ₹ 4.80 करोड़ के नए निवेश के कारण थी। 23 कंपनियों में ₹ 18,492.15 करोड़ के कुल निवेश में से केवल तीन कंपनियों अर्थात (i) दिल्ली कॉपरेटिव हाउसिंग फाइनेंस सोसाइटी लिमिटेड, (ii) इंद्रप्रस्थ मेडिकल कॉर्पोरेशन लिमिटेड,तथा (iii) इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड के पास मार्च 2016 तक ₹ 61.09 करोड़ के निवेश थे जिनसे 2015-16 के दौरान ₹ 12.32 करोड़ का लाभांश प्राप्त हुआ जो इन कंपनियों में निवेश का 20.17 *प्रतिशत* था।

1.8.2 सरकार द्वारा ऋण व अग्रिम

सहकारी समितियों, निगमों व कंपनियों में निवेश के अतिरिक्त सरकार संगठनों/संस्थानों को भी ऋण व अग्रिम प्रदान कर रही है। 31 मार्च 2016 तक कुल बकाया ऋण व अग्रिम ₹ 59,790.51 करोड़ थी जैसाकि नीचे **तालिका 1.8** में दर्शाया गया है।

तालिका 1.8: रा.रा.क्षे. सरकार द्वारा ऋणों व अग्रिमों पर प्राप्त औसत ब्याज

(₹ करोड़ में)

ऋणों की मात्रा/ब्याज प्राप्तियां/उधारों की लागत	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16
आरंभिक शेष	45,147.73	47,877.90	50,887.82	55,737.28	57,189.61
वर्ष के दौरान दी गई अग्रिम की राशि	3,345.41	3,734.83	5,652.37	1,679.94	2,684.32
वर्ष के दौरान पुनर्भुगतान की राशि	376.25	724.90	802.91	227.61	83.42
अंतशेष	48,116.90	50,887.82	55,737.28	57,189.61	59,790.51
निवल योग	2,969.17	3,009.93	4,849.46	1,452.33	2,600.91
ब्याज प्राप्तियां	174.14	340.03	379.35	350.52	82.53
बकाया ऋणों व अग्रिमों की प्रतिशतता के रूप में ब्याज प्राप्तियां	0.36	0.67	0.68	0.61	0.14

राज्य स्तरीय संगठनों/संस्थानों के प्रति बकाया ऋण दिल्ली के रा.रा.क्षे. के कुल बकाया ऋणों का बहुत बड़ा भाग है। रा.रा.क्षे., दिल्ली सरकार द्वारा बहुत से सरकारी उद्यमों तथा संस्थाओं, जिनको ऋण एवं अग्रिम दिए गए थे, और 2015-16 के अंत में बकाया रह गए थे,

वे जल आपूर्ति और सफाई प्रबंध (₹ 16,640.71 करोड़), शहरी विकास (₹ 1,724.70 करोड़), सड़क परिवहन (₹ 14,315.65 करोड़), पावर परियोजनाओं (₹ 10,918.49 करोड़) और विविध ऋण (₹ 15,499.99 करोड़) के क्षेत्रों में थे।

1.9 परिसम्पत्तियां व देयताएं

1.9.1 परिसम्पत्तियां व देयताओं की वृद्धि व संघटक

सरकार के वर्तमान लेखाकरण प्रणाली में अचल परिसम्पत्तियों जैसे सरकार के स्वामित्व वाली भूमि व भवनों का विस्तृत लेखाकरण नहीं किया जाता। यद्यपि, सरकारी लेखों में सरकार की वित्तीय देयताओं व किए गए व्यय से सृजित परिसम्पत्तियों को दर्ज किया जाता है। **परिशिष्ट 1.5** 31 मार्च 2016 को ऐसी देयताओं व परिसम्पत्तियों का सार 31 मार्च 2015 की संबंधित स्थिति से तुलना करते हुए प्रस्तुत करता है। परिशिष्ट में दी गई देयताओं में भारत सरकार (भा.स.) द्वारा दिए केवल ऋण व अग्रिम ही सम्मिलित है। परिसम्पत्तियों में मुख्यतः सरकार द्वारा प्रदत्त पूंजीगत परिव्यय व ऋण एवं अग्रिम तथा नकद शेष आते है।

1.9.2. राजकोषीय देयताएं

तालिका 1.9 रा.रा.क्षे. दिल्ली की राजकोषीय देयताओं, उनके वृद्धि की दर, स.रा.घ.उ. से उनके देयताओं, राजस्व प्राप्तियां तथा अपने संसाधनों से अनुपात और इन पैरामीटरों के संदर्भ में राजकोषीय देयताएं की उत्प्लावकता को भी दर्शाती है।

तालिका 1.9: राजकोषीय देयताएं-मुख्य पैरामीटर

	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16
राजकोषीय देयताएं (₹ करोड़ में)	29,608.29	29,242.71	32,080.32	32,497.91	33,303.87
वृद्धि की दर (*प्रतिशत*)	(-)1.76	(-)1.23	9.70	1.30	2.48
राजकोषीय देयताओं का अनुपातः					
स.रा.घ.उ. (*प्रतिशत*)	8.63	7.48	7.18	6.57	5.96
राजस्व प्रप्तियां (*प्रतिशत*)	132.22	114.40	114.65	109.85	95.16
अपने संसाधन (*प्रतिशत*)	144.91	121.55	120.70	119.32	108.34
राजकोषीय देयताओं की उत्प्लावकता के संदर्भ मेः					
स.रा.घ.उ. (अनुपात)	(-)0.05	(-)0.09	0.68	0.12	0.19
राजस्व प्रप्तियां (अनुपात)	0.17	(-)0.09	1.02	0.23	0.14
अपने संसाधन (अनुपात)	1.55	(-)0.07	0.93	0.52	0.19

रा.रा.क्षे. दिल्ली की संपूर्ण राजकोषीय देयताएं 2011-12 में ₹ 29,608.29 करोड़ से बढ़कर 2015-16 में ₹ 33,303.87 करोड़ (12.48 *प्रतिशत*) हो गई। 2015-16 के दौरान ₹ 33,303.87 करोड़ की राजकोषीय देयताओं में 'छोटी बचतों के संग्रह का अंश' की ₹ 29,977.47 करोड़, 'संसाधनों की कमी की पूर्ति हेतु ऋण' ₹ 3,326.39 करोड़ तथा 'अन्य सहकारी समितियों को सहकारी सहायता' की ₹ 0.01 करोड़ की बाध्यताएं थी। 2015-16 की समाप्ति पर राजकोषीय देयताएं राजस्व प्राप्तियों का 0.95 गुणा तथा राज्य के अपने संसाधनों का 1.08 गुणा थी।

1.10 ऋण प्रबंधन

(i) ऋण रूपरेखा

तालिका 1.10 पिछले पांच वर्षों के लिए रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार की आंतरिक ऋण रूपरेखा की समय श्रृंखला के विश्लेषण को बताती है।

तालिका 1.10: रा.रा.क्षे.दि.स. की आंतरिक ऋण रूपरेखा तथा प्रति व्यक्ति ऋण

(₹ करोड़ में)

वर्ष	प्रारंभिक शेष	ऋण प्राप्तियां	वर्ष के दौरान पुनर्भुगतान	अथशेष	वृद्धि/कमी	पिछले वर्ष की प्रतिशतता में वृद्धि	प्रति व्यक्ति ऋण
2011-12	30,140.09	556.08	1,087.88	29,608.29	-531.80	-1.76	17,624
2012-13	29,608.29	922.41	1,287.99	29,242.71	-365.58	-1.23	17,406
2013-14	29,242.71	4,162.90	1,325.29	32,080.32	2,837.61	9.70	19,095
2014-15	32,080.32	1,764.32	1,346.73	32,497.91	417.59	1.30	19,344
2015-16	32,497.91	2,241.13	1,435.17	33,303.87	805.96	2.48	19,824

(स्रोतः संबंधित वर्षों के राज्य वित्त लेखे)

सरकार के आंतरिक ऋण 2011-12 में ₹ 29,608.29 करोड़ से ₹ 3,695.58 करोड़ बढ़ कर (12.48 *प्रतिशत*) 2015-16 में ₹ 33,303.87 करोड़ हो गया। 2015-16 के दौरान आंतरिक ऋण पर 2,809.81 करोड़ के ब्याज का भुगतान किया गया।

(ii) ऋण धारणीयता

रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार के ऋण की मात्रा के अतिरिक्त राज्य की ऋण धारणीयता को निर्धारित करने वाले विभिन्न घटकों का विश्लेषण करना भी आवश्यक है। यह खंड रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार को वृद्धि की दर, बकाया ऋण, ब्याज भुगतान तथा राजस्व प्राप्ति के अनुपात, ऋण पुनर्भुगतान तथा ऋण प्राप्ति एवं राज्य को उपलब्ध निवल ऋण के संदर्भ में ऋण की धारणीयता को आकलित करता है। 2011-12 से 2015-16 के पांच वर्षों की अवधि के लिए इन संकेतकों के अनुसार **तालिका 1.11** राज्य की ऋण धारणीयता का विश्लेषण करता है।

तालिका 1.11: ऋण धारणीयता: संकेतक व प्रवृत्तियां

ऋण धारणीयता के संकेतक	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16
बकाया सार्वजनिक ऋण (₹ करोड़ में)	29,608.29	29,242.71	32,080.32	32,497.91	33,303.87
बकाया सार्वजनिक ऋण की वृद्धि की दर	-1.76	-1.23	9.70	1.30	2.48
स.रा.घ.उ.	3,43,260.41	3,91,071.36	4,46,806.82	4,94,460.34	5,58,745.26
स.रा.घ.उ. की वृद्धि की दर	35.81	13.93	14.25	10.67	13.00
स.रा.घ.उ. से ऋण का अनुपात (*प्रतिशत में*)	8.63	7.48	7.18	6.57	5.96
उधार ली गई निधियों की निवल उपलब्धता	(-)531.80	(-)365.58	2,837.60	417.60	805.96
बकाया ऋण की औसत ब्याज दर (चुकाया गया ऋण/सार्वजनिक ऋण का प्रा.शे. +सार्वजनिक ऋण का अ.शे.)	9.77	9.73	9.21	8.59	8.54
ब्याज/राजस्व प्राप्ति	13.03	11.20	10.09	9.38	8.03
ऋण भुगतान/ऋण प्राप्ति	1.96	1.40	0.32	0.76	0.64

रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार का सार्वजनिक ऋण 2011-12 में ₹ 29,608.29 करोड़ से 2015-16 में ₹ 33,303.87 करोड़ हो गया तथा 2011-16 की अवधि में 12.48 *प्रतिशत* की वृद्धि दर्ज की गई। बकाया सार्वजनिक ऋण की वृद्धि की दर 2011-12 से 2015-16 की अवधि के दौरान (-) 1.76 *प्रतिशत* तथा (+) 9.70 *प्रतिशत* के मध्य थी। सार्वजनिक ऋण 2,241.13 करोड़ के लघु बचत संग्रहण के अंश के कारण पिछले वर्ष के 1.30 *प्रतिशत* की तुलना में 2015-16 में 2.48 *प्रतिशत* की दर से बढ़ गई।

स.रा.घ.उ. में वृद्धि की दर 2011-12 में 35.81 *प्रतिशत* से घटकर 2012-13 में 13.93 *प्रतिशत* हो गई, 2013-14 में इसमें 14.25 *प्रतिशत* की वृद्धि हुई तथा 2015-16 में घटकर यह 13 *प्रतिशत* हो गई। लेकिन यह सार्वजनिक ऋण के ब्याज की औसत दर से थोड़ा अधिक ही थी जो 2011-16 की अवधि के दौरान 8.54 *प्रतिशत* से 9.77 *प्रतिशत* के मध्य थी।

ब्याज भुगतान तथा राजस्व प्राप्ति का अनुपात 2011-12 में 13.03 *प्रतिशत* से घटकर 2015-16 में 8.03 *प्रतिशत* हो गया।

ऋण भुगतान तथा ऋण प्राप्ति के अनुपात में भी 2011-12 में 1.96 से 2015-16 में 0.64 तक घटती प्रवृत्ति दिखाई दी।

1.11 राजकोषीय असंतुलन

तीन प्रमुख राजकोषीय पैरामीटरों - राजस्व, राजकोषीय व प्राथमिक घाटे - एक निर्दिष्ट समयावधि के दौरान राज्य सरकार के वित्तों में संपूर्ण वित्तीय असंतुलन की सीमा दर्शाते हैं। सरकारी खातों में घाटे इसकी प्राप्तियों तथा व्यय के बीच अंतर दर्शाते हैं। घाटे की प्रकृति, सरकार के विवेकपूर्ण वित्तीय प्रबंधन का संकेतक है। इसके अतिरिक्त, जिन तरीकों से घाटों का वित्तीयकरण किया जाता है तथा संसाधन उत्पन्न किए जाते है, इसके राजकोषीय स्वास्थ्य के महत्वपूर्ण संकेतक के रुप में प्रयोग किए जाते हैं। यह खंड इन घाटों के वित्तीयकरण की प्रवृतियों, प्रकृति, मात्रा तथा ढंग एवम् राजस्व व राजकोषीय घाटों के वास्तविक स्तरों का निर्धारण प्रस्तुत करता है।

1.11.1 आधिक्य/घाटे की प्रवृत्तियां

चार्ट 1.10 व चार्ट 1.11 2011-12 से 2015-16 की अवधि के दौरान आधिक्य/घाटा संकेतकों तथा स.रा.घ.उ. से संबंधित आधिक्य/घाटा की प्रवृत्ति को दर्शाता हैं।

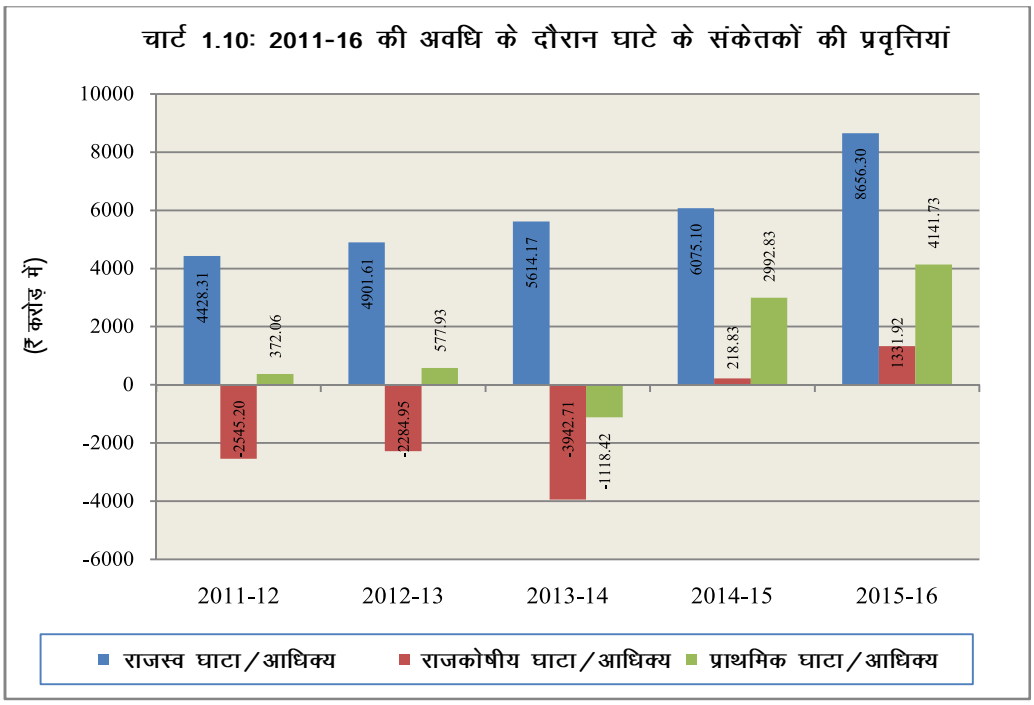

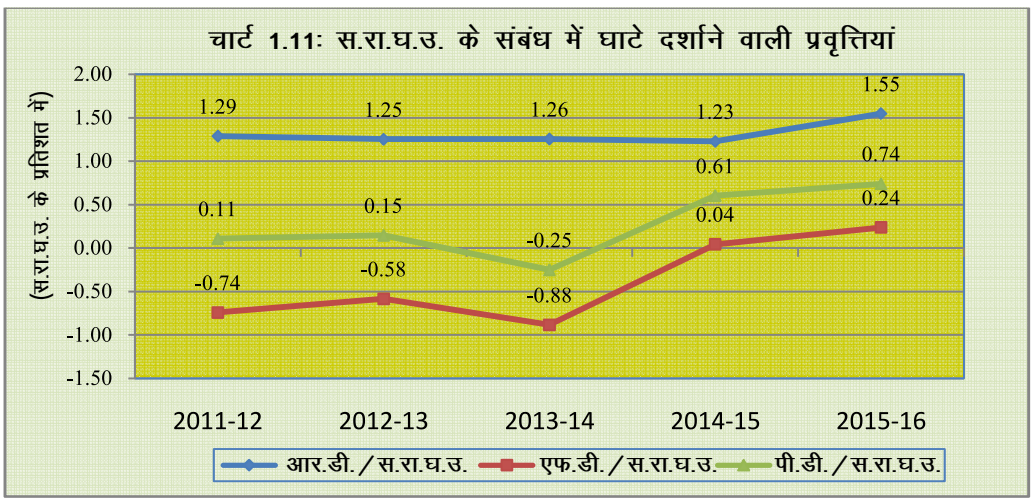

राजस्व आधिक्य राजस्व व्यय के ऊपर राजस्व प्राप्तियों को दर्शाता है। रा.रा.क्षे. में 2011-16 के दौरान लगातार राजस्व आधिक्य हुआ। यह 2011-12 में यह ₹ 4,428.31 करोड़ से बढ़कर 2015-16 में ₹ 8,656.30 करोड़ हो गई।

2011-16 के दौरान राजकोषीय घाटा जो राज्य के कुल उधार तथा संसाधन अंतर को प्रस्तुत करता है, ने मिश्रित आंकड़ें दिखाए। राजकोषीय घाटा ने 2011-12 में ₹ 2,545.20 करोड़ से 2013-14 ₹ 3,942.71 करोड़ वृद्धि की प्रवृत्ति दिखाई जो 2014-15 के दौरान 218.83 करोड़ का आधिक्य हो गया तथा बाद में 2015-16 में बढ़कर ₹ 1,331.92 करोड़ हो गया।

प्राथमिक घाटा राजकोषीय घाटे के ऊपर प्राथमिक व्यय (ब्याज भुगतान का कुल व्यय) के आधिक्य को दर्शाता है। 2011-12 में रा.रा.क्षे. में प्राथमिक आधिक्य था जिसने 2013-14

में घटती प्रवृत्ति (-) ₹ 1,118.42 करोड़ दिखाया लेकिन यह पुनः 2014-15 में धनात्मक ₹ 2,992.83 करोड़ हो गया तथा 2015-16 में बढ़कर ₹ 4,141.73 करोड़ हो गया।

पिछले वर्ष की तुलना में राजस्व प्राप्तियां 2015-16 में 18.30 *प्रतिशत* से बढ़ गई तथा राजस्व व्यय 12.05 *प्रतिशत* बढ़ गया जिसके परिणामस्वरूप पिछले वर्ष अर्थात् 2014-15 की तुलना में ₹ 2,581.20 करोड़ के राजस्व आधिक्य में वृद्धि हुई।

1.11.2 राजकोषीय घाटे के घटक व इसका वित्तीयन प्रतिरूप

राजकोषीय घाटे के वित्तीयन प्रतिरूप को **तालिका 1.12** में नीचे दिखाया गया है:

तालिका 1.12: राजकोषीय घाटे के घटक

(₹ करोड़ में)

	विवरण	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16
1	राजकोषीय घाटा/बचत*(-/+)	(-)2,545.20	(-)2,284.95	(-) 3,942.71	218.83	1,331.92
2	राजस्व घाटा/आधिक्य(-/+)	4,428.31	4,901.61	5,614.17	6,075.10	8,656.30
3	निवल पूंजीगत व्यय	(-)4,004.27	(-)4,176.63	(-)4,707.42	(-)4,403.94	4,723.47
4	निवल ऋण तथा अग्रिम	(-)2,969.17	(-)3,009.93	(-) 4,849.46	(-)1,452.32	(-)2,600.91
	राजकोषीय घाटे का वित्तीयन प्रतिरूप**					
1	भा.स. से ऋण	(-) 531.80	365.58	2,837.60	417.60	805.96

** घाटे के आंकड़े -में तथा अधिशेष + में दिखाए गए है*
*** ये सभी आंकड़े वर्ष के दौरान निवल संवितरण/बाह्य प्रवाह के हैं*

स्रोतः संबंधित वर्षों के वित्त लेखे तथा वे.ले.का., दिल्ली)

1.11.3 घाटा/आधिक्य की गुणवत्ता

राजस्व घाटे का राजकोषीय घाटे से अनुपात तथा प्राथमिक घाटे को प्राथमिक राजस्व घाटे व पूंजीगत व्यय (ऋण व अग्रिमों सहित) में विखंडित करने पर राज्य के वित्तों में घाटे की प्रकृति का संकेत मिलता है। राजकोषीय घाटे से राजस्व घाटे का अनुपात दर्शाता है कि ऋण ली गई निधि किस सीमा तक वर्तमान उपभोग हेतु प्रयोग की गई। इसके अतिरिक्त, राजकोषीय घाटे में राजस्व घाटे का निरंतर उच्च अनुपात यह भी दर्शाता है कि राज्य का परिसंपत्ति आधार लगातार घट रहा था तथा ऋणों के एक भाग (राजकोषीय देयताएं) हेतु कोई परिसंपत्तीय पूर्ति नहीं थी। चूंकि 2011-16 की पूरी अवधि में दिल्ली का राजस्व आधिक्य रहा, इसलिए ऋण ली गई निधि को केवल पूंजीगत व्यय व ऋणों के पुनर्भुगतान के लिए उपयोग किया गया जैसाकि **तालिका 1.13** में दिया गया है:

तालिका 1.13: प्राथमिक घाटा/आधिक्य-घटकों का विभाजन

(₹ करोड़ में)

वर्ष	गैर-ऋण प्राप्तियां	प्राथमिक राजस्व व्यय	पूंजीगत व्यय	ऋण व अग्रिम	प्राथमिक व्यय	प्राथमिक राजस्व घाटा (-)/ आधिक्य(+)	प्राथमिक घाटा (-)/ आधिक्य (+)
1	2	3	4	5	6(3+4+5)	7(2-3)	8(2-6)
2011-12	22,769.35	15,047.60	4,004.27	3,345.42	22,397.29	7,721.75	372.06
2012-13	26,285.87	17,796.48	4,176.63	3,734.83	25,707.94	8,489.39	577.93
2013-14	28,783.60	19,542.23	4,707.42	5,652.37	29,902.02	9,241.37	(-)1,118.42
2014-15	29,812.20	20,735.49	4,403.94	1,679.94	26,819.37	9,076.71	2,992.83
2015-16	35,082.26	23,532.74	4,723.47	2,684.32	30,940.53	11,549.52	4,141.73

(स्रोतः संबंधित वर्षों के वित्त लेखे तथा वे.ले.का., दिल्ली)

सरकार को 2011-12 में ₹ 372.06 करोड़ का प्राथमिक आधिक्य हुआ। गैर-ऋण प्राप्तियां प्राथमिक व्यय की पूर्ति नहीं कर पाई, जिससे 2013-14 में ₹ 1,118.42 करोड़ का प्राथमिक घाटा हुआ। 2014-15 में, रा.रा.क्षे. दिल्ली सरकार का प्राथमिक आधिक्य पुनः ₹ 2,992.83 करोड़ हो गया जोकि 2015-16 में बढ़कर ₹ 4,141.73 करोड़ हो गया। पिछले वर्ष से 2015-16 के दौरान पूंजीगत व्यय ₹ 319.53 करोड़ से बढ़ गया। यद्यपि पूंजीगत व्यय प्राथमिक व्यय के *प्रतिशत* के रूप में पिछले वर्ष के 16.42 *प्रतिशत* की तुलना में आंशिक रूप से घटकर 15.27 *प्रतिशत* हो गया। यह 2011-12 के 17.88 *प्रतिशत* की तुलना में महत्वपूर्ण था। पूंजीगत व्यय पर वित्तीय परिव्यय वांछित परिणामों की प्राप्ति हेतु समय पर भौतिक परिसम्पत्तियों में परिणत होना चाहिए।

1.12 निष्कर्ष

राजस्व प्राप्तियां 2015-16 के दौरान पिछले वर्ष से ₹ 5,414.26 करोड़ (18.30 *प्रतिशत*) बढ़ गई। पिछले वर्ष से 2015-16 में कर राजस्व ₹ 3,621.26 करोड़ (13.61 *प्रतिशत*) बढ़ गया जबकि गैर-कर राजस्व ₹ 117.14 करोड़ (18.52 *प्रतिशत*) से घट गया तथा भारत सरकार से अनुदानों में ₹ 1,910.15 करोड़ (81.35 *प्रतिशत*) की वृद्धि हुई। 2015-16 में कुल राजस्व प्राप्तियों में रा.रा.क्षे. के अपने कर राजस्व का अंश 86.36 *प्रतिशत* था।

पिछले वर्ष से 2015-16 में कुल व्यय ₹ 33,750.34 करोड़ से ₹ 4,156.97 करोड़ (14.05 *प्रतिशत*) बढ़ गया। कुल वृद्धि में राजस्व व्यय ₹ 2,833.06 करोड़ पूंजीगत व्यय ₹ 319.53 करोड़ तथा ऋण एवं अग्रिम ₹ 1,004.38 करोड़ थी।

31 मार्च 2016 तक सरकार ने सांविधिक निगमों, ग्रामीण बैंकों, संयुक्त स्टॉक कंपनियों तथा सहकारी समितियों में ₹ 18,492.15 करोड़ निवेश किए थे। इन निवेशों पर प्रतिफल 0.07 *प्रतिशत* था जबकि 2015-16 के दौरान सरकार ने अपने उधारों पर 8.54 *प्रतिशत* की औसत दर से ब्याज का भुगतान किया था।

संपूर्ण राजकोषीय देयताएं 2011-12 में ₹ 29,608.29 करोड़ से बढ़कर 2015-16 में ₹ 33,303.87 करोड़ (12.48 *प्रतिशत*) हो गई। 2015-16 के अंत में राजकोषीय देयताएं राजस्व प्राप्तियों का 0.95 गुणा तथा राज्य के अपने संसाधनों का 1.08 गुणा थी।

रा.रा.क्षे. दिल्ली की राजकोषीय स्थिति राजस्व अधिशेष, राजकोषीय घाटा और प्राथमिक घाटा जैसे प्रमुख राजकोषीय पैरामीटरों के संबंध में देखे जाने पर यह दर्शाती है कि राजस्व आधिक्य वर्ष 2015-16 के दौरान पिछले वर्ष से ₹ 2,581.20 करोड़ बढ़ा। 2014-15 में ₹ 218.83 करोड़ का राजकोषीय आधिक्य बढ़कर 2015-16 में ₹ 1,331.92 करोड़ हो गया। प्राथमिक आधिक्य 2014-15 में ₹ 2,992.83 करोड़ था जो 2015-16 में बढ़कर ₹ 4,141.73 करोड़ हो गया।

1.13 सिफारिशें

सरकार विचार कर सकती है:

i. आर्थिक वृद्धि पर सकारात्मक प्रभाव हेतु पूंजीगत व्यय को बढ़ाना; और

ii. इकाईयों/संस्थानों से बकाया ऋणों की वसूली हेतु प्रभावी कदम उठाना।